Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[4102]-111

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2012

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-1 : सामान्य स्तर

[आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास तथा कहानी)]

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :— (1) कालजयी हिंदी कहानियाँ – सं. रेखा सेठी, रेखा उप्रेती

(2) विज़न – मैत्रेयी पुष्पा

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. "प्रेमचंद की 'कफन' कहानी हिंदी कहानी कला की श्रेष्ठ कहानी है ।" इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

"आधुनिक हिंदी कहानियों में आम आदमी की वेदना प्रधान रूप से झलकती है ।" पठित कहानियों के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

2. 'विज़न' उपन्यास के प्रमुख पात्रों के चरित्र-चित्रण पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'विज़न' उपन्यास के आधार पर चिकित्सा-क्षेत्र के यथार्थ का विवेचन कीजिए ।

P.T.O.

3. 'चीफ की दावत' कहानी का आशय स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'विज़न' उपन्यास का कथ्य

(ख) डॉ. आलोक का संघर्ष

(ग) 'विज़न' शीर्षक की सार्थकता ।

4. उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'विज़न' उपन्यास की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर लिखिए :

(च) 'गर्मियों के दिन' कहानी का व्यंग्य स्पष्ट कीजिए ।

(छ) सोमा बुआ ने शादी में जाने के लिए क्या-क्या तैयारियाँ की थीं ?

(ज) 'उमस' कहानी की नायिका 'रानी' अपने बिस्तर पर जाकर क्यों रोती रही ?

(झ) 'आदमी का बच्चा' कहानी में चित्रित उच्च वर्ग की मानसिकता का विवेचन कीजिए ।

(त) 'वापसी' शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए ।

(थ) 'अपना अपना भाग्य' कहानी का व्यंग्य स्पष्ट कीजिए ।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(द) "गजाधर बाबू ने आहत दृष्टि से पत्नी को देखा । उन्होंने अनुभव किया कि वह पत्नी व बच्चों के लिए केवल धनोपार्जन के निमित्त मात्र है । जिस व्यक्ति के अस्तित्व से पत्नी माँग में सिंदूर डालने की अधिकारिणी है, समाज में उसकी प्रतिष्ठा है, उसके सामने वह दो वक्त भोजन की थाली रख देने से सारे कर्तव्यों से छुट्टी पा जाती है ।"

अथवा

"रोटी ? रहने दो, पेट काफी भर चुका है । अन्न और नमकीन चीजों से तबीयत ऊब भी गई है । तुमने व्यर्थ में कसम धरा दी । खैर कसम रहने के लिए ले रहा हूँ । गुड़ होगा क्या ?"

(ध) "पापा शरण की बनाई हुई गंगा में नाव लेना मुश्किल नहीं असंभव-सा है, क्योंकि उनके लिए अपना अहं और बेटा, मरीज़ और रोग के निदान से बढ़कर है ।"

अथवा

"बेटा इतना गुस्सा करना अच्छा नहीं । तुम हमारी बेटी हो । तुम्हें फेंका कहाँ है ? बात समझने की कोशिश करो । यह बहस का मामला नहीं, समाज के अटूट कानून हैं ।"

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**4**

Seat No.	

[4102]-112

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2012

HINDI (हिंदी)

विशेषस्तर : प्रश्नपत्र-2

(प्राचीन तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :—

(*i*) विद्यापति : आलोचना और संग्रह।
संपा. : डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित।

(*ii*) पद्मावत : मलिक मुहम्मद जायसी।
संपा. : डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल।

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. ''विद्यापति के काव्य में भक्ति और शृंगार का समन्वय मिलता है।'' इस विधान की तर्कसंगत चर्चा कीजिए।

अथवा

विद्यापति के काव्य के भाव-पक्ष को स्पष्ट कीजिए।

2. 'पद्मावत' में निहित लोकतत्त्व का निरूपण कीजिए।

अथवा

सूफी काव्य परंपरा में 'पद्मावत' का स्थान निर्धारित कीजिए।

3. गीतिकाव्य की विशेषताओं के आधार पर 'विद्यापति' के काव्य-सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

P.T.O.

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(1) 'पद्मावत' का महाकाव्यत्व

(2) 'पद्मावत' में चित्रित ईश्वरोन्मुख प्रेम

(3) 'पद्मावत' का हिरामण सूआ।

4. जायसी की काव्य-कला पर प्रकाश डालिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) 'विद्यापति' के कला-पक्ष को संक्षेप में समझाइए।

(2) 'विद्यापति' के काव्य में व्यक्त नायिका-सौंदर्य वर्णन अपने शब्दों में लिखिए।

(3) 'विद्यापति' के काव्य में अभिव्यक्त अलंकार-योजना पर प्रकाश डालिए।

(4) 'विद्यापति' के काव्य में चित्रित वियोग शृंगार का सोदाहरण परिचय दीजिए।

(5) 'विद्यापति' के काव्य में चित्रित प्रकृति-चित्रण पर प्रकाश डालिए।

(6) 'विद्यापति' के काव्य की देन को संक्षेप में समझाइए।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(1) ''कामिनि करए सनाने।
हेरतहि हृदय हनए पंचबाने॥
चिकुर गरए जलधारा।
जनि मुख-ससि डर रोअए अँधारा॥
कुच-जुग चारु चकेवा।
निअ कुल मिलिअ आनि कोन देवा॥
ते संका भुज पासे।
बाँधि धएल उड़ि जाएत अकासे॥
तितल वसन तनु लागू।
मुनिहु क मानस मनमथ जागू॥''

अथवा

जय जय संकर जय त्रिपुरारि।
जय अधपुरुष, जयति अधनारि॥
आध धवल तनु, आधा गोरा।
आध सहज कुच आध कटोरा॥
आध हड़माल, आध गजमोती।
आध चानन सोहे आध बिभूती॥
आध चेतन मति आधा भोरा।
आध पटोर आध मुँज डोरा॥
आध जोग आध भोग बिलासा।
आध पिधान आध नग बासा॥
आध चान आध सिंदुर सोभा।
आध विरूप आध जग-लोभा॥
भने कबि रतन विधाता जाने।
दुइ कए बांटल एक पराने॥''

(2) ''भर भादौं दूभर अति भारी। कैंसे भरौं रैनि अँधियारी ।1।
मँदिल सून पिय अनतै बसा। सेज नाग भैं घै घै डसा ।2।
रहौं अकेलि गहें एक पाटी। नैन पसारि मरौं हिय फाटी ।3।
चमकि बीज घन गरषि तरासा। बिरह काल होइ जीउ गरासा ।4।
बरिसै मघा झँकोरी झँकोरी। मोर दुइ नैन चुवहिं जसि ओरी ।5।
पुरबा लाग पुहुमि जल पूरी। आक जवास भईं हौं झूरी ।6।
धनि सूखी भर भादौं माहाँ। अबहूँ आइ न सींचति नाहाँ ।7।
जल थल भरे अपुरि सब गगन धरति मिलि एक।
धनि जोबन औगाह महँ दे बूड़त पिय टेक ॥''

अथवा

''खेलत मानसरोवर गईं। जाइ पालि पर ठाढ़ी भईं ।1।
देखि सरोवर रहसहिं केली। पदुमावति सौं कहहिं सहेली ।2।
ऐ रानी मन देखु बिचारी। एहि नैहर रहना दिन चारी ।3।
जौ लहि अहै पिता कर राजू। खेलि लेहु जौं खेलहु आजू ।4।
पुनि सासुर हम गौनब काली। कित हम कित एह सरवर पाली ।5।
कित आवन पुनि अपने हाथाँ। कित मिलि कै खेलब एक साथा ।6।
सासु नँनद बोलिन्ह जिउ लेहीं। दारुन ससुर न आवै देहीं ।7।
पिउ पिआर सब ऊपर सो पुनि करै दहुँ काह।
कहुँ सुख राखै की दुख दहुँ कस जरम निबाह॥''

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[4102]-113

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2012

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 3 : विशेष स्तर

(भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. रस निष्पत्ति के संदर्भ में विभिन्न विद्वानों के मत स्पष्ट कीजिए।

2. भारतीय साहित्यशास्त्र के विकासक्रम का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

3. वक्रोक्ति सिद्धांत का स्वरूप और महत्व स्पष्ट कीजिए।

4. ध्वनि की परिभाषा लिखकर ध्वनि-भेदों का विवेचन कीजिए।

5. रीति के संदर्भ में आचार्य वामन की अवधारणा को विशद करते हुए रीति और गुण का विवेचन कीजिए।

P.T.O.

6. औचित्य सिद्धांत का स्वरूप स्पष्ट करते हुए औचित्य के भेदों का विवेचन कीजिए।

7. अलंकार की परिभाषा देकर अलंकारविषयक आचार्यों के विभिन्न विचारों को स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) भरतमुनि का रस सूत्र

(ख) रीति और शैली

(ग) ध्वनि और स्फोट सिद्धांत

(घ) अलंकार और रस।

Total No. of Questions—**8+8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**8+3**

Seat No.	

[4102]-114

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2012

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-4 : विशेषस्तर-वैकल्पिक

(2008 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना : निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी *एक* ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-ग्रन्थ : कबीर ग्रंथावली, संपादक—श्यामसुंदर दास

सूचनाएँ :—(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. कबीर की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके कृतित्व का परिचय दीजिए।

2. हिंदी निर्गुण काव्यधारा के विकास में कबीर का योगदान स्पष्ट कीजिए।

3. कबीर के रहस्यवाद पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

4. ''कबीर समाजसुधारक थे।'' इस मत को साधार स्पष्ट कीजिए।

5. कबीर के काव्य की प्रासंगिकता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

6. कबीर की प्रतीक योजना पर प्रकाश डालिए।

7. कबीर के काव्य के भावसौंदर्य का विवेचन कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) ''सतगुरु की महिमा अनँत, अनँत किया उपगार।
लोचन अनंत उघाडिया, अनँत दिखावण हार॥
सतगुरु लई कमाँण करि, बाँहण लागा तीर।
एक जु बाह्या प्रीति, सूँ, भीतरि रह्या सरीर॥

(आ) ''कबीर यहु घट प्रेम का, खाला का घर नाँहि।
सीस उतारै हाथि करि, सौ पैसे घर माँहिं॥
कबीर निज घर प्रेम का, मारग अगम अगाध।
सीस उतारि पग तलि धरै, तब निकरि प्रेम का स्वाद॥''

(इ) ''दुलहनी गावहु मंगलाचार,
हम घरि आए हो राजा राम भरतार।
तन रत करि मैं मन रत करिहुँ, पंचतत्त बराती॥
रामदेव मोरै पाँहुने आये मैं जोबन मैमाती।
सरीर सरोवर बेदी करिहूँ ब्रम्हा वेद उचार॥''

(आ) विशेष साहित्यकार : तुलसीदास

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें : (1) श्रीरामचरितमानस (उत्तरकांड)

(2) विनयपत्रिका—सं. वियोगी हरि।

सूचनाएँ :—(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. तुलसीदास की समन्वय भावना को स्पष्ट कीजिए।

2. 'तुलसी के राम शील, सौंदर्य और शक्ति के पुंज हैं।' स्पष्ट कीजिए।

3. 'उत्तरकांड' का भावार्थ संक्षेप में लिखिए।

4. '' 'रामचरितमानस' मानवीय आदर्श संबंधों का काव्य है।'' स्पष्ट कीजिए।

5. पठित रचनाओं के आधार पर 'विनयपत्रिका' के कला-पक्ष पर प्रकाश डालिए।

6. 'विनयपत्रिका' में प्रस्तुत दास्य-भावना को निरूपित कीजिए।

7. '' 'विनयपत्रिका' में गीतितत्त्व का सुंदर निर्वाह हुआ है।'' सोदाहरण विवेचन कीजिए।

8. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) राम बिरह सागर महँ भरत मगन मन होत।

बिप्र रूप धरि पवनसुत आइ गयउ जनु पोत॥

राम प्रान प्रिय नाथ तुम्ह सत्य बचन मम तात।

पुनि पुनि मिलत भरत सुनि हरष न हृदयँ समात॥

अथवा

परमानंद कृपायतन मन परिपूरन काम।

प्रेम भगति अनपायनी देहु हमहि श्रीराम॥

बार बार अस्तुति करि प्रेम सहित सिरु नाइ।

ब्रह्म भवन सनकादि गे अति अभीष्ट बर पाइ॥

(ख) मेरो भलो कियो राम आपनी भलाई।

हौं तो साईं-द्रोही, पै सेवक-हित साइ॥

राम-सो बड़ो है कौन, मो-सो कौन छोटो।

राम-सो खरो है कौन, मो-सो कौन खोटो॥

लोक कहैं, राम को गुलाम हौं कहावौं।

एतो बड़ो अपराध भौ, न मन बावों॥

पाथ-माथे चढ़े तृन तुलसी ज्यों नीचो।

बोरत न बरि ताहिं जानि आपु-सींचो॥

अथवा

रघुपति विपति-दवन।

परम् कृपालु प्रनत-प्रतिपालक, पतित-पवन॥

कूर, कुटिल, कुलहीन, दीन, अति मलिन जवन।

सुमिरत नाम राम पठ्ये सब अपने भवन॥

गज-पिंगला-अजामिल-से खल गनै धौं कवन।

तुलसीदास प्रभु केहि न दीन्हि गति जानकी.—रवन॥

(इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार मोहन राकेश

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें : (*i*) आषाढ़ का एक दिन

(*ii*) लहरों के राजहंस

(*iii*) आधे-अधूरे

सूचनाएँ :—(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. मोहन राकेश के नाट्य साहित्य का तात्त्विक परिचय दीजिए।

2. मोहन राकेश के नाट्य चिंतन पर प्रकाश डालिए।

3. मोहन राकेश के नाटकों की आधुनिक संवेदना स्पष्ट कीजिए।

4. 'आषाढ़ का एक दिन' के चरित्रों का परिचय दीजिए।

5. 'लहरों के राजहंस' की रंगमंचीयता पर प्रकाश डालिए।

6. 'आधे-अधूरे' के कथ्य को स्पष्ट कीजिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) मोहन राकेश का कृतित्व;

(ख) 'आषाढ़ का एक दिन' की भाषा;

(ग) 'लहरों के राजहंस' के पात्र;

(घ) 'आधे-अधूरे' के संवाद।

8. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(च) ''सम्मान प्राप्त होने पर सम्मान के प्रति प्रकट की गई उदासीनता व्यक्ति के महत्व को बढ़ा देती है। तुम्हें प्रसन्न होना चाहिये कि तुम्हारा भागिनेय लोकनीति में भी निष्णात है।''

अथवा

''राजकीय पगधूलि घर में पड़ती है तो लोग गौरव का अनुभव करते हैं। ऐसा अवसर हर किसी के जीवन में कहाँ आता है।''

(छ) ''अलका! नारी का आकर्षण पुरुष को पुरुष बनाता है, तो उसका अपकर्षण उसे गौतम बुद्ध बना देता है।''

अथवा

आँगन के द्वार पर एक भिक्षु-मूर्ति भिक्षा के लिए खड़ी है। उसने दो बार भिक्षा-याचना की, फिर सहसा लौट पड़ी। तभी मैंने उसे उजाले में देखा। देखा कि वह और कोई नहीं.....स्वयं गौतम बुद्ध हैं।''

(ज) ''दो आदमी जितना ज्यादा साथ रहें, एक हवा में साँस लें, उतना ही ज्यादा अपने को एक-दूसरे से अजनबी महसूस करें ?''

अथवा

''जलवायु की दृष्टि से जो देश मुझे सबसे पसंद है, वह है इटली। पिछले वर्ष काफी यात्रा पर रहना पड़ा। पूरा यूरोप घूमा, पर जो बात मुझे इटली में मिली, वह और किसी देश में नहीं।''

[4102]-114

(ई) विशेष साहित्यकार : कवि अज्ञेय

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें : (*i*) हरी घास पर क्षण भर।

(*ii*) बावरा अहेरी।

(*iii*) कितनी नावों में कितनी बार।

सूचनाएँ :—(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. अज्ञेय के व्यक्तित्व और कृतित्व का सामान्य परिचय दीजिए।

2. युगीन पृष्ठभूमि के परिप्रेक्ष्य में अज्ञेय की नई कविताओं की समीक्षा कीजिए।

3. 'हरी घास पर क्षण भर' की पठित कविताओं में अज्ञेय ने प्राकृतिक सुषमा का बखान किस प्रकार किया है ?

4. 'बावरा अहेरी' की कविताओं में अज्ञेय ने प्रतीकों का प्रयोग सफलतापूर्वक किया है। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

5. अज्ञेय की काव्य-प्रवृत्तियों का पठित कविताओं के आधार पर विवेचन कीजिए।

6. 'कितनी नावों में कितनी बार' की कविताओं के कलापक्ष पर प्रकाश डालिए।

7. 'अज्ञेय के काव्य में आस्था एवं विश्वास के दर्शन होते हैं।' पठित कविताओं के आधार पर समझाइए।

8. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) तुम! जिसे मैंने किया है याद, जिससे बँधी मेरी प्रीत-
कौन तुम ? अज्ञात-वय-कुल-शील मेरे मीत!
कर्म की बाधा नहीं तुम, तुम नहीं प्रवृत्ति से उपराम-
कब तुम्हारे हित थमा संघर्ष मेरा-रुका मेरा काम ?

(ख) ज्वार-मका की क्यारियाँ-भरियाँ प्यारियाँ
धन-खेतों में प्रहर हवा की सुना रही है लोरियाँ–
पुतलियाँ चंचल कालियाँ कानो झुमके-बालियाँ
हम चौड़े में खड़े लुट गये बनी न हम से चोरियाँ।

(ग) तुम्हारे नैन
पहले भोर की दो ओस-बूँदें हैं।
अछूती, ज्योतिमय, भीतर द्रवित।
मानो विधाता के हृदय में
जग गयी हो भाप करुणा की अपरिमित।

(घ) यह जन है : गाता गीत जिन्हें फिर और कौन गायेगा ?

पनडुब्बा : ये मोती सच्चे फिर कौन कृति लायेगा ?

यह समिधा : ऐसी आग हठीला बिरला सुलगायेगा।

यह अद्वितीय : यह मेरा : यह मैं स्वयं विसर्जित।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[4102]-211

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2012

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 5 : सामान्य स्तर

(आधुनिक हिंदी नाटक तथा अन्य विधाएँ)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :—

(*i*) 'कोर्टमार्शल' : स्वदेश दीपक

(*ii*) हजारीप्रसाद द्विवेदी के चुने हुए निबंध : सं. मुकुंद द्विवेदी

(*iii*) 'यात्रा साहित्य' : सं. डॉ. तुकाराम पाटील, डॉ. नीला बोर्वणकर

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. नाटक के तत्वों के आधार पर 'कोर्टमार्शल' नाटक की समीक्षा कीजिये।

अथवा

''सेना जैसी अनुशासनबद्ध संस्था में छिपी हुई सामंती व्यवस्था को 'कोर्टमार्शल' नाटक उजागर करता है।'' स्पष्ट कीजिये।

2. पठित निबंधों के आधार पर हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबंधों की भावात्मकता तथा व्यंग्यात्मकता को स्पष्ट कीजिये।

P.T.O.

अथवा

'देवदारु' के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को निबंध के आधार पर स्पष्ट कीजिये।

3. ''यात्रा साहित्य में स्थल, लोग और प्राप्त अनुभव से नवनिर्मिती होती है''—पठित यात्रा-वृत्तों के आधार पर स्पष्ट कीजिये।

अथवा

''भारतीय भक्तिमानस का सनातन केंद्र मानस सरोवर है''—यात्रा वर्णन के आधार पर स्पष्ट कीजिये।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिये :

(क) 'कोर्टमार्शल' नाटक का कैप्टन विकास राय

(ख) 'कोर्टमार्शल' नाटक में संवाद योजना।

(ग) 'घर जोड़ने की माया' निबंध का व्यंग्य।

(घ) 'आम फिर बौरा गये' निबंध में लेखक के अनुभव

(च) 'तिब्बत की सीमा पर' यात्रावृत्त में वर्णित हिमालय

(छ) 'यात्रा का रोमांस' में देश-काल वातावरण।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिये :

(त) ''जब दुनिया की अदालत इन्साफ न करे सके, तो कभी-कभी ऊपरवाला इन्साफ कर देता है।''

(थ) ''कहते हैं दुनिया बड़ी भुलक्कड़ हैं ! केवल उतना ही याद रखती है, जितने से उसका स्वार्थ सधता है। बाकी को फेंककर आगे बढ़ जाती है। शायद अशोक से उसका स्वार्थ नहीं सधा। क्योंकि वह उसे याद रखती है। सारा संसार स्वार्थ का आखाड़ा ही तो है।''

(द) ''जिसकी मंजिल पहले से तय हो, वह यायावर नहीं है। यायावर का एक मात्र लक्ष्य है अपने मन की तरंगों के अनुसार चलते रहना, वह जहाँ से गुजर जाये, वही उसका रास्ता है और जहाँ पेड़ के तने से टेक लगा ले वही उसकी मंजिल है।''

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[4102]-212

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2012

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 6 : विशेषस्तर

मध्ययुगीन हिंदी काव्य

(सूरदास, बिहारी, घनानंद)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) भ्रमरगीत सार : सूरदास
संपा. आ. रामचंद्र शुक्ल ।

(*ii*) रीति काव्यधारा : संपा. डॉ. रामचंद्र तिवारी
डॉ. रामफेर त्रिपाठी ।

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. "गोपियों द्वारा उद्धव के प्रति कही गई व्यंग्योक्तियाँ, वाग्वैदग्ध्य, वाक्चातुर्य, सहृदयता एवं भावुकता का सुंदर समन्वय हुआ है ।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'भ्रमरगीत' से क्या अभिप्राय है ? इसकी विषय-वस्तु और अभिव्यक्ति-शैली को निरूपित कीजिए ।

2. 'बिहारी रीतिसिद्ध कवि हैं ।' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

पठित दोहों के आधार पर बिहारी की बहुज्ञता को विवेचित कीजिए ।

P.T.O.

3. घनानंद के काव्य-सौंदर्य को निरूपित कीजिए ।

अथवा

'अति सूधो सनेह को मारग है ।' उक्ति को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'भ्रमरगीत' में भक्ति का स्वरूप

(ख) सूर का दार्शनिक चिंतन

(ग) बिहारी का संयोग-वर्णन

(घ) बिहारी का अलंकार-विधान

(च) घनानंद की भाषा-शैली

(छ) घनानंद की प्रेम-पीर ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) आए जोग सिखावन पाँडे ।
परमारथी पुराननि लादे ज्यों बनजारे टाँड़े ॥
हमरी गति पति कमलनयन की जोग सिखैं ते राँड़े ।
कहौ, मधुप, कैसे समायँगे एक म्यान दो खाँड़े ॥
कहु षटपद, कैसे खैयतु है हाथिन के सँग गाँड़े ।
काकी भूख गई बयारि भखि बिना दूध घृत माँडे ॥
काहे को झाला लै मिलवत, कौन चोर तुम डाँडे ।
सूरदास तीनों नहि उपजत धनिया धान कुम्हाँडे ॥

(ख) तंत्री-नाद, कवित्त-रस, सरस राग, रति संग ।
अनबूड़ै बूड़े तिरे, जे बूड़े सब अंग ॥
इक भींजै चहलै परै, बूड़ै बहैं हजार ।
कितै न औगुन जग करै, बै-नै चढ़ती बार ॥

(ग) झलकै अति सुन्दर आनन गौर, छके दृग राजत काननि छ्वै ।
हँसि बोलनि मैं छवि फूलन की, बरषा उर ऊपर जातिहै ह्वै ॥
लट लोल कपोल कलोल करै, कल कंठ बनी जलजावलि द्वै ।
अँग-अँग तरंग उठै दुति की, परिहै मनौ रूप अबै धर च्वै ॥

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[4102]-213

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2012

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-7 : विशेष स्तर

(पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत तथा आलोचना)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. प्लेटो और अरस्तू की अनुकरणविषयक धारणा और विचारों की तुलना कीजिए ।

2. काव्य में उदात्त का महत्त्व बताते हुए लोंजाइनस के योगदान को स्पष्ट कीजिए ।

3. आई. ए. रिचर्ड्स का संप्रेषण सिद्धांत स्पष्ट कीजिए ।

4. इलिएट के निर्वैयक्तिकता सिद्धांत का परिचय देते हुए उनके योगदान पर प्रकाश डालिए ।

5. प्रतीकवाद को स्पष्ट करते हुए प्रतीकों के भेदों का वर्णन कीजिए ।

6. आलोचना का स्वरूप स्पष्ट करते हुए आलोचक के गुणों को विशद कीजिए ।

P.T.O.

7. क्रोचे के अभिव्यंजनावाद की अवधारणा स्पष्ट कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) तुलनात्मक आलोचना

(ख) काव्य में बिंब का स्थान

(ग) उत्तर आधुनिकता

(घ) विरेचन सिद्धांत ।

Total No. of Questions—**8+8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**8**

Seat No.	

[4102]-214

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2012

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 8 : विशेषस्तर : वैकल्पिक

विशेष विधा तथा अन्य

(2008 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना :—निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिये :

(क) हिंदी उपन्यास

(ख) हिंदी नाटक और रंगमंच

(ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

(घ) हिंदी दलित विमर्श एवं साहित्य

(क) हिंदी उपन्यास

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :—

(*i*) **गोदान**—प्रेमचंद।

(*ii*) **मैला आँचल**—फणीश्वरनाथ 'रेणु'।

(*iii*) **राग दरबारी**—श्रीलाल शुक्ल।

(*iv*) **एक पत्नी के नोट्स**—ममता कालिया।

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिये।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के समान अंक हैं।

1. उपन्यास के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उपन्यास की विविध शैलियों को विशद कीजिये।

2. उपन्यास की परिभाषाओं को लिखते हुए उपन्यास और जीवनी का अंतर स्पष्ट कीजिये।

P.T.O.

3. प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यास साहित्य का परिचय दीजिये।

4. '' 'गोदान' का मूल उद्देश्य है किसानों की ऋण की समस्या का उद्‌घाटन करना।'' विवेचन कीजिये।

5. '' 'मैला आँचल' की भाषा अंचल विशेष की संपूर्ण विशेषताओं का चित्रण करने में पूर्ण सशक्त एवं सक्षम है।'' स्पष्ट कीजिये।

6. '' 'राग दरबारी' में गाँव के माध्यम से आधुनिक भारतीय जीवन की मूल्यहीनता, संस्कारहीनता और नैतिक मूल्यों के पतन-विघटन की कहानी है।'' स्पष्ट कीजिये।

7. उपन्यास तत्वों के आधार पर 'एक पत्नी के नोट्स' का मूल्यांकन कीजिये।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिये :

(1) पूर्वदीप्ति शैली

(2) 'गोदान' की भाषा

(3) 'राग दरबारी' की व्यंग्य दृष्टि

(4) 'एक पत्नी के नोट्स' का उद्देश्य।

(ख) हिंदी नाटक और रंगमंच

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :—

(*i*) **अंधेर नगरी** : भारतेंदु हरिश्चंद्र।

(*ii*) **कोणार्क** : जगदीशचंद्र माथुर।

(*iii*) **एक सत्य हरिश्चंद्र** : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल।

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिये।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक के प्रमुख नाटक और नाटककारों का परिचय दीजिये।

2. नाटक की परिभाषा देकर उसके तत्वों पर प्रकाश डालिये।

3. स्वातंत्र्योत्तर काल के प्रमुख अनूदित नाटक और नाटककारों का परिचय दीजिये।

4. साठोत्तरी नाटकों की रंगमंचीयता पर प्रकाश डालिये।

5. 'अंधेर नगरी' नाटक की प्रासंगिकता विशद कीजिये।

6. 'कोणार्क' नाटक में कलाकार के प्रतिशोध को नाटककार ने किस प्रकार अभिव्यक्त किया है ?

7. 'एक सत्य हरिश्चंद्र' एक वैचारिक एवं राजनीतिक नाटक है—सोदाहरण समझाइये।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिये :

(क) 'अंधेर नगरी' का गोवर्धनदास

(ख) 'कोणार्क' का धर्मपद

(ग) नाटक के संवाद

(घ) नाटक का दर्शक।

(ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिये।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. हिंदी भाषा के विविध रूपों का परिचय दीजिये।

2. प्रयोजनमूलक हिंदी की परिभाषा देकर विभिन्न प्रयुक्तियाँ विशद कीजिये।

3. कार्यालयीन हिंदी का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।

4. सरकारी पत्राचार का स्वरूप देकर उसके प्रकार विशद कीजिये।

5. दृक्-श्राव्य माध्यम लेखन का स्वरूप बताकर पटकथा लेखन और टेलीड्रामा का परिचय दीजिये।

6. कम्प्यूटर की रूपरेखा बताकर हार्डवेअर तथा सॉफ्टवेअर का सामान्य परिचय दीजिये।

7. कार्यालयीन हिंदी का स्वरूप और विशेषताएँ स्पष्ट कीजिये।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिये :

(1) विज्ञापन लेखन का महत्व

(2) कम्प्यूटर और इंटरनेट

(3) व्यावसायिक पत्रलेखन

(4) जनसंचार का स्वरूप।

(घ) हिंदी दलित विमर्श एवं साहित्य

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :—

(*i*) **दोहरा अभिशाप**—कौसल्या बैसंत्री।

(*ii*) **पहला खत**—डॉ. धर्मवीर।

(*iii*) **आवाजें**—मोहनदास नैमिषराय।

(*iv*) **घुसपैठिए**—ओमप्रकाश वाल्मीकि।

(*v*) **असीम है आसमाँ**—डॉ. नरेंद्र जाधव।

सूचनाएँ :—(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिये।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. दलित साहित्य की अवधारणा को समझाते हुए उसके स्वरूप को स्पष्ट कीजिये।

2. दलित साहित्य के प्रेरणास्रोत के रूप में महात्मा ज्योतिराव फुले का परिचय देते हुए उनके प्रभाव का मूल्यांकन कीजिये।

3. परंपरागत साहित्य और दलित साहित्य के साम्य-भेदों का विवेचन कीजिये।

4. दलित साहित्य की शैली का विवेचन कीजिये।

5. 'दोहरा अभिशाप' में अभिव्यक्त दलित नारी के संघर्ष पर प्रकाश डालिये।

6. 'असीम है आसमाँ' में चित्रित दलितों की समस्याओं का विवेचन कीजिये।

7. 'आवाजें' की भाषा-शैली का विवेचन कीजिये।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिये :

(क) दलित साहित्य की परंपरा।

(ख) दलित साहित्य पर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर का प्रभाव।

(ग) 'घुसपैठिए' की भाषा-शैली।

(घ) 'पहला खत' के पात्र।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**4**

Seat No.	

[4102]-311

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2012

HINDI (हिंदी)

सामान्यस्तर : प्रश्नपत्र 9

आधुनिक काव्य

(महाकाव्य, दीर्घ कविता तथा काव्य नाटक)

(2008 PATTERN)

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) कामायनी : जयशंकर प्रसाद ।

(*ii*) दीर्घ कविताएँ : संपा. डॉ. सुरेशकुमार जैन, डॉ. नीला बोर्वणकर ।

(*iii*) अंधा युग : डॉ. धर्मवीर भारती ।

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. 'कामायनी' के आधार पर मनु, श्रद्धा और इडा की प्रतीकात्मकता स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

"'कामायनी' की कथा में इतिहास और कल्पना का सुंदर समन्वय हुआ है ।" इस विधान के आलोक में कामायनी की समीक्षा कीजिए ।

2. निराला के काव्य की विशेषताएँ संक्षेप में स्पष्ट करते हुए 'सरोज स्मृति' के आशय पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'असाध्य वीणा' की प्रतीकात्मकता पर विस्तृत प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

3. काव्य नाटक की दृष्टि से 'अंधा युग' की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

'अंधा युग' के किन्हीं **दो** प्रमुख पात्रों का परिचय दीजिए ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'कामायनी' की दार्शनिकता

(ख) 'कामायनी' की भाषा-शैली

(ग) 'पटकथा' का भाव पक्ष

(घ) 'ब्रह्मराक्षस' कविता का व्यंग्य

(च) 'अंधा युग' का युगबोध

(छ) 'अंधा युग' की गांधारी ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(ज) "बुद्धि, मनीषा, मति, आशा, चिंता तेरे हैं कितने नाम ।
अरी पाप है तू, जा, चल जा यहाँ नहीं कुछ तेरा काम ।
विस्मृति आ, अवसाद घेर ले, नीरवते ! बस चुप कर दे;
चेतनता चल जा, जड़ता से आज शून्य मेरा भर दे ।"

अथवा

तपस्वी ! क्यों इतने हो क्लांत ? वेदना का यह कैसा वेग ?
आह ! तुम कितने अधिक हताश बताओ यह कैसा उद्वेग !
हृदय में क्या है नहीं अधीर, लालसा जीवन की निःशेष ?
कर रहा वंचित कहीं न त्याग तुम्हें, मन में धर सुंदर वेश !

(झ) .....ये गरजती, गूँजती, आंदोलिता

गहराइयों से उठ रही ध्वनियाँ, अतः

उद्‌भ्रांत शब्दों के नये आवर्त में

हर शब्द निज प्रति-शब्द को भी काटता,

वह रूप अपने बिम्ब से ही जूझ

विकृताकार-कृति

है बन रहा

ध्वनि लड़ रही अपनी प्रतिध्वनि से यहाँ ।

अथवा

नहीं, नहीं ! वीणा यह मेरी गोद रखी है, रहे,

किन्तु मैं ही तो

तेरी गोद में बैठा मोद-भरा बालक हूँ,

आ तरु तात ! संभाल मुझे,

मेरी हर किलक

पुलक में डूब जाय :

मैं सुनूँ,

गुनूँ,

विस्मय में भर आँकूँ

तेरे अनुभव का एक एक अन्तः स्वर

तेरे दोलन की लोरी पर झूमूँ मैं तन्मय-

गा तू :

(ट) मुक्ति मिल जाती है सबको कभी न कभी
वह जो बंधुघाती है
हत्या जो करता है माता की, प्रिय की
बालक की, स्त्री की,
किन्तु आत्मघाती
भटकता है अँधियारे लोको में
सदा सदा के लिए बनकर प्रेत ।

अथवा

किसका चित्कार है यह !
माता गांधारी
मैं कहता हूँ धैर्य धरो
जैसी तुम्हारी कोख कर दी है पुत्रहीन कृष्ण ने
वैसे ही मैं भी उत्तरा को कर दूँगा पुत्रहीन
जीवित नहीं छोडूँगा उसको मैं
कृष्ण चाहे सारी योगमाया से रक्षा करें ।

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[4102]-312

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2012

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-10 : विशेषस्तर

भाषाविज्ञान

(2008 PATTERN)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान के अंगों की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए।

2. भाषाविज्ञान की शाखाओं पर प्रकाश डालिए।

3. भाषा का स्वरूप स्पष्ट कर भाषा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

4. वागयंत्र की कार्य-प्रणाली स्पष्ट कीजिए।

5. अर्थ-परिवर्तन के कारण सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

6. वाक्य की परिभाषा देकर वाक्य की आवश्यकताएँ स्पष्ट कीजिए।

7. रूपिम का स्वरूप स्पष्ट कर रूपिम के भेदों पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) ऐतिहासिक भाषाविज्ञान

(ख) भाषाविज्ञान का स्वरूप एवं व्याप्ति

(ग) लिपि विज्ञान

(घ) स्वन गुण।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[4102]-313

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2012

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 11 : विशेषस्तर

हिंदी साहित्य का इतिहास

(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. आदिकाल की पृष्ठभूमि का परिचय दीजिये।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) सिद्ध साहित्य

(ख) चंदबरदाई

(ग) विद्यापति की पदावली।

2. रामभक्ति काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालते हुए उसमें तुलसीदास के योगदान पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(घ) भक्तिकालीन धार्मिक पृष्ठभूमि

(च) जायसी

(छ) सूरसागर।

3. बिहारीलाल तथा घनानंद का साहित्यिक परिचय दीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(ज) रीतिकाल का नामकरण

(झ) केशवदास की रामचंद्रिका

(ट) भूषण की कविता में राष्ट्रीयता।

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर विस्तार से लिखिए :

(*i*) हिंदी साहित्य के इतिहास के कालविभाजन और नामकरण के विषय में प्रतिपादित विभिन्न मतों की समीक्षा कीजिए।

(*ii*) ज्ञानमार्गी भक्तिसाहित्य की प्रवृत्तियों का उल्लेख करते हुए कबीर का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(*iii*) रीतिकालीन काव्यधारा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

5. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(*i*) अमीर खुसरो का परिचय दीजिए।

(*ii*) आदिकाल के विविध नामों का उल्लेख कीजिए।

(*iii*) कृष्णभक्ति काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।

(*iv*) रहीम का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(*v*) रीतिसिद्ध साहित्य किसे कहा जाता है ?

(*vi*) लक्ष्य ग्रंथ और लक्षण ग्रंथ से क्या अभिप्राय है ?

(*vii*) मीराबाई की पदावली का परिचय दीजिए।

(आ) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **एक-एक** वाक्य में लिखिए :

(*i*) 'पृथ्वीराज रासो' के रचयिता कौन हैं ?

(*ii*) विद्यापति की पदावली के नायक-नायिका के नाम लिखिए।

(*iii*) कवि नंददास किस काव्यशाखा के कवि हैं ?

(*iv*) रसखान को 'रस की खान' क्यों कहा जाता है ?

(*v*) नखशिख वर्णन किसे कहते हैं ?

(*vi*) 'बिहारी सतसई' रचना किस छंद में लिखी गई है ?

Total No. of Questions—**8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**4+2**

Seat No.	

[4102]-314

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2012

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-12 : विशेष स्तर-वैकल्पिक

(2008 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना : निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी *एक* ही पाठ्यक्रम के उत्तर लिखिए।

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. आलोचना का उद्देश्य स्पष्ट कर आलोचना के विभिन्न प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

2. ''सर्जनशील साहित्य के लिए आलोचना प्रेरक तथा पूरक है।'' इस कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

3. आचार्य रामचंद्र शुक्ल का स्थान हिंदी आलोचना के क्षेत्र में सर्वोपरि है। स्पष्ट कीजिए।

4. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना पद्धति के स्वरूप तथा विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

5. आलोचना क्षेत्र में डॉ. नगेंद्र का योगदान स्पष्ट कीजिए।

6. डॉ. रामविलास शर्मा की आलोचना पद्धति पर मार्क्सवादी चिंतन का प्रभाव स्पष्ट रूप से अंकित हुआ है। स्पष्ट कीजिए।

7. हिंदी आलोचना क्षेत्र में डॉ. नामवर सिंह का योगदान स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) आलोचना और अनुसंधान;

(ख) सैद्धांतिक आलोचना;

(ग) हिंदी आलोचना में डॉ. नंददुलारे वाजपेयी का योगदान

(घ) आलोचक के गुण।

[4102]-314

(आ) अनुवाद विज्ञान

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. अनुवाद की **दो** मानक परिभाषाएँ देते हुए अनुवाद के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

2. अनुवाद की प्रक्रियागत स्थितियों का विवेचन कीजिए।

3. गद्य-पद्य के आधार पर अनुवाद के प्रकारों का विवेचन कीजिए।

4. अनुवाद के मौखिक स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए दुभाषिक के कार्य का महत्व प्रतिपादित कीजिए।

5. कम्प्यूटर अनुवाद की आवश्यकता स्पष्ट करते हुए उससे संबंधित समस्याएँ तथा सीमाएँ अधोरेखित कीजिए।

6. अनुवाद कार्य में सहायक साधनों की उपयोगिताओं का विवेचन कीजिए।

7. वाणिज्य और व्यवसाय क्षेत्र की सामग्री के अनुवाद का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उससे संबंधित समस्याओं को स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) लिप्यंतरण का महत्व एवं समस्याएँ;

(ख) अनुवादक की योग्यता और कर्तव्य;

(ग) अनुवाद और भाषाविज्ञान;

(घ) अनुवाद की समीक्षा।

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. जनसंचार माध्यमों का स्वरूप स्पष्ट कर सूचना प्रौद्योगिकी के विविध रूपों पर प्रकाश डालिए।

2. जनसंचार माध्यमों के लिए हिंदी के तकनीकी ज्ञान का महत्व स्पष्ट कीजिए।

3. हिंदी पत्रकारिता के विविध रूपों का परिचय दीजिए।

4. जनसंचार माध्यमों में हिंदी के अनुवाद की आवश्यकता और महत्व स्पष्ट कीजिए।

5. सूचना समाज की अवधारणा और शर्तें स्पष्ट कीजिए।

6. जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त हिंदी के विविध रूपों पर प्रकाश डालिए।

7. जनसंचार माध्यमों में साहित्य का स्थान स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) सूचना-निर्माण;

(ख) दूरदर्शन की पत्रकारिता;

(ग) भाषा की सूचनात्मक क्षमता;

(घ) किताबी भाषा और माध्यमों की भाषा।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**4**

Seat No.	

[4102]-411

M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2012

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 13 : सामान्य स्तर

आधुनिक काव्य

(खंडकाव्य, विशेष कवि तथा नई कविता)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :—

(*i*) कितने प्रश्न करूँ : ममता कालिया

(*ii*) युगधारा : नागार्जुन

(*iii*) काव्य कुंज : संपा. रामशंकर राय 'सौमित्र'

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. ''सीता के अस्तित्व को लेकर जो सवाल उठाये गये हैं उन्हें 'कितने प्रश्न करूँ' में आधुनिक रूप दिया गया है।'' युक्तायुक्त चर्चा कीजिये।

अथवा

खंडकाव्य के तत्वों के अनुसार 'कितने प्रश्न करूँ' की समीक्षा कीजिये।

2. ''नागार्जुन ने जन-ज्वाला को अपने काव्य का आभूषण बनाया है।'' इस विधान के आलोक में नागार्जुन की कविताओं का मूल्यांकन कीजिये।

अथवा

नागार्जुन की कविताओं के शिल्प विधान पर प्रकाश डालिये।

P.T.O.

3. ''भवानीप्रसाद मिश्र के गीतों में वैयक्तिक अनुभूतियों की अभिव्यंजना ही नहीं है, प्रकृति-सौंदर्य के साथ देश और समाज की परिस्थितियों के चित्र भी मिलते हैं।'' स्पष्ट कीजिये।

अथवा

''गिरिजाकुमार माथुर की कविता का शिल्प पक्ष अधिक सुगठित है।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिये।

4. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिये :

(1) 'कितने प्रश्न करूँ' के 'अपहरण' प्रसंग में चित्रित सीता की मानसिकता।

अथवा

'कितने प्रश्न करूँ' की भाषा।

(2) 'शपथ' कविता का कथ्य।

अथवा

'ऐटम बम' कविता का भाव।

(3) 'बौनों की दुनिया' शीर्षक की सार्थकता।

अथवा

'सन्नाटा' कविता का आशय।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिये :

(क) नारी को क्या जीवन भर
यों ही पीड़ित होना है !
शंका से ऊपर नर है
नारी को ही रोना है !
क्या मेरी अग्निपरीक्षा
की पुनरावृत्ति चलेगी;
जब जब स्वामी चाहेंगे
पत्नी अपनी बली देगी;

अथवा

तुम बहुत दूर थे प्रियतम
मैं थी निरुपाय अकेली
ले गया मुझे बलशाली
मैं रोई, रो चुप हो ली !
तुमको संदेश मिला हो
शायद खग, मृग वानर से
क्रंदन मेरा पहुँचा था
धरती पर जब अम्बर से।

(ख) अभी तो तरुणी हूँ–
चौंकते युव-जन
भिक्षापात्र लेकर जब मैं निकलती
मेरा यह काषाय .....
जाने किस किसको उन्मादित करता
यह मुंडित मस्तक उत्तेजित करता
कलित ललित कवि को

अथवा

पाषाणी में किया प्राण-संचार–
'कौन देव, तुम मेरे हृदयाधार ?
असुर क्रूर, तो सुर होते हैं धूर्त्त;
क्षणमति होते किन्नर औ गंधर्व,
दुर्विदग्ध संशयी, हृदय से हीन
होता मानव, तुम हो उससे भिन्न।

(ग) ऊँची हुई मशाल हमारी
आगे कठिन डगर है,
शत्रु हट गया, लेकिन उसकी
छायाओं का डर है
शोषण से मृत है समाज
कमजोर हमारा घर है,
किन्तु आ रही नई जिन्दगी
यह विश्वास अमर है।

अथवा

मेरी माँ का रूप,
आँख खोले से तुम्हें दिखेगा नेता,
उसके आगे यह रत्नाकर
कौड़ी मोल बिकेगा नेता !
यह मिथ्या अभिमान कि,
मैं तो माँ के चरण पखार रहा हूँ,
नित्य लहर कर मैं, लहरों पर
माँ का रूप उतार रहा हूँ।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[4102]-412

M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2012

HINDI (हिंदी)

विशेष स्तर : प्रश्नपत्र-14

हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

(*ii*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1. मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाओं का उल्लेख करते हुए उनमें से प्राकृत भाषाओं का परिचय दीजिए ।

2. आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का वर्गीकरण स्पष्ट कीजिए ।

3. हिंदी की बोलियों का वर्गीकरण प्रस्तुत कर ब्रज और खड़ीबोली का परिचय दीजिए ।

4. हिंदी शब्द-भंडार का परिचय देते हुए स्पष्ट कीजिए कि हिंदी का शब्द-भंडार विशाल है ।

5. हिंदी में प्रयुक्त होने वाले प्रत्यय, उपसर्ग तथा समास का सोदाहरण परिचय दीजिए ।

6. नागरी लिपि का उद्‌भव और विकास स्पष्ट कर उसकी वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

7. हिंदी का व्याकरणिक स्वरूप स्पष्ट कर लिंग, वचन और कारक-व्यवस्था पर प्रकाश डालिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) राष्ट्रभाषा

(ख) वैदिक संस्कृत

(ग) देवनागरी लिपि में सुधार

(घ) हिंदी भाषा शिक्षण ।

Total No. of Questions—**7**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[4102]-413

M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2012

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-15 : विशेष स्तर

हिंदी साहित्य का इतिहास

(आधुनिक काल)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

(*ii*) प्रश्न क्र. **1** से **5** तक के प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*iii*) प्रश्न क्र. **6** तथा **7** अनिवार्य हैं ।

(*iv*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1. भारतेंदुपूर्व हिंदी गद्य साहित्य का परिचय दीजिए ।

2. हिंदी कहानी साहित्य के विकासक्रम को स्पष्ट करते हुए कहानीकार जैनेंद्र कुमार के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

3. हिंदी नाटक साहित्य के विकासक्रम का परिचय दीजिए ।

4. द्विवेदीयुगीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए ।

5. प्रयोगवादी कविता के उद्भव के कारणों का विवेचन करते हुए उसमें 'अज्ञेय' का योगदान स्पष्ट कीजिए ।

P.T.O.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(*i*) भारतेंदुयुगीन हिंदी निबंध-साहित्य;

(*ii*) ब्रह्म समाज का हिंदी गद्य के विकास में योगदान;

(*iii*) उपन्यासकार यशपाल;

(*iv*) प्रगतिवादी कविता : उद्भव के कारण;

(*v*) राष्ट्रकवि माखनलाल चतुर्वेदी;

(*vi*) समकालीन कविता की विशेषताएँ ।

7. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : [12]

(*i*) भारतेंदुयुगीन गद्य साहित्य की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए ।

(*ii*) धर्मवीर भारती के नाटकों की विशेषताएँ लिखिए ।

(*iii*) हिंदी आलोचना के विकास का संक्षेप में परिचय दीजिए ।

(*iv*) भारतेंदुयुगीन कविता की **तीन** विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

(*v*) रामधारीसिंह 'दिनकर' के काव्य का परिचय दीजिए ।

(*vi*) साठोत्तरी कविता में दुष्यंत कुमार के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

(आ) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **एक-एक** वाक्य में लिखिए : [4]

(*i*) 'भारत दुर्दशा' किसकी रचना है ?

(*ii*) एक मनोवैज्ञानिक उपन्यासकार का नाम लिखिए ।

(*iii*) 'कामायनी' के रचनाकार का नाम लिखिए ।

(*iv*) 'तारसप्तक' के **दो** कवियों के नाम लिखिए ।

Total No. of Questions—**8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**4+2**

Seat No.	

[4102]-414

M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2012

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 16 : विशेषस्तर : वैकल्पिक

(2008 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना :—निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक पाठ्यक्रम के उत्तर लिखिये :

(क) भारतीय साहित्य

(ख) लोक साहित्य

(ग) हिंदी पत्रकारिता।

(क) भारतीय साहित्य

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिये।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. भारतीय साहित्य के स्वरूप पर प्रकाश डालिये।

2. वर्तमान भारतीय साहित्य की विशेषताओं का विवेचन कीजिये।

3. ''भक्तिकालीन हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्य सुरक्षित है।'' स्पष्ट कीजिये।

4. ''भारत की सभी भाषाओं के साहित्य में राष्ट्रीय चेतना का स्वर मिलता है।'' इस कथन की सार्थकता को सिद्ध कीजिये।

P.T.O.

5. 'हयवदन' नाटक में चित्रित सामाजिक बोध पर प्रकाश डालिये।

6. 'अधूरे मनुष्य' की कहानियों में व्यक्त भारतीय जीवन मूल्यों को स्पष्ट कीजिये।

7. '1084वें की माँ' में चित्रित सामाजिक समस्याओं पर प्रकाश डालिये।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिये :

(क) 'हयवदन' नाटक में संवाद योजना

(ख) '1084वें की माँ' उपन्यास का उद्देश्य

(ग) भारतीय साहित्य में व्यक्त आधुनिकता बोध

(घ) भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।

[4102]-414

(ख) लोक साहित्य

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिये।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. लोक साहित्य की परिभाषाएँ देकर उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिये।

2. लोक साहित्य का सामाजिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से महत्व प्रतिपादित कीजिये।

3. लोक साहित्य का इतिहास, भूगोल, मनोविज्ञान के साथ संबंध स्पष्ट कीजिये।

4. लोक साहित्य के संकलन साधनों का परिचय देकर संकलनकर्ता की समस्याओं पर प्रकाश डालिये।

5. लोकगीत की परिभाषा देकर लोकगीत और शिष्टगीत के अंतर को स्पष्ट कीजिये।

6. लोकगाथा का स्वरूप समझाते हुए 'नल-दमयंती' लोकगाथा का परिचय दीजिये।

7. लोकनाट्य की परिभाषा देकर तमाशा और कीर्तन का परिचय दीजिये।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिये :

(क) लोक साहित्य में अलंकार योजना

(ख) मुहावरे और कहावतें

(ग) लोककथा में अभिप्राय का महत्व

(घ) लोक साहित्य और समाजविज्ञान।

(ग) हिंदी पत्रकारिता

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिये।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. हिंदी पत्रकारिता के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिये।

2. संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति को स्पष्ट कीजिये।

3. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में तकनीकी साधनों का महत्व प्रतिपादित कीजिये।

4. समाचारपत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना स्पष्ट कीजिये।

5. पत्रकारिता के प्रबंधन में व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण का महत्व विशद कीजिये।

6. समाचारपत्र की संपादन कला पर प्रकाश डालिये।

7. ''मुद्रण कला, प्रूफ शोधन, ले-आऊट तथा पृष्ठसज्जा प्रिंट पत्रकारिता के लिए आवश्यक है।'' स्पष्ट कीजिये।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिये :

(क) पत्रकारिता का स्वरूप

(ख) सूचनाधिकार

(ग) साक्षात्कार प्रविधि

(घ) समाचार लेखन के आयाम।